भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 225
जिसका उत्तर मंगलवार, 19 जुलाई, 2022
28 आषाढ़, 1944 (शक) को दिया जाना है।

भारतीय जीवन बीमा निगम का आईपीओ

225 श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने केवल दो महीने में ही भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन को 14 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 6 लाख करोड़ रुपये कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण है;

(ग) क्या प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) लोकार्पण के दौरान एलआईसी का शेयर प्राइस बैंड 1100/- रुपये प्रति शेयर से घटाकर 902/- रुपये प्रति शेयर कर दिया गया था;

(घ) यदि हां, तो इस घटे हुए शेयर मूल्य के कारण कुल कितने मूल्य का आर्थिक घाटा हुआ है;

(ङ) शेयर मूल्य में गिरावट के कारण एलआईसी की बाजार पूंजी की कुल कितनी हानि हुई है; और

(च) एलआईसी के शेयर के ऐसे खराब प्रदर्शन के क्या कारण हैं?

उत्तर
वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. भागवत किशनराव कराड)

(क) : जी नहीं।

(ख) : उपरोक्त (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ग) : जी नहीं।

(घ) : उपरोक्त (ग) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

(ड.) और (च) : किसी सूचीबद्ध कंपनी का बाजारी पूंजीकरण, बाजार में खरीद-फरोख्त किए गए शेयरों की कम मात्रा के आधार पर लगातार परिवर्तित होता रहता है। ऐसे अनेक कारक होते हैं जो खरीद-फरोख्त मूल्य को प्रभावित करते हैं जैसे भू-राजनीतिक कारक, वैश्विक और राष्ट्रीय वृहत्त-आर्थिक माहौल और क्षेत्र विशेष और/या किसी कंपनी की संभावनाओं के संबंध में बाजार के सहभागियों की अवधारणाएं। एक नई सूचीबद्ध कंपनी के लिए किसी स्टॉक विशेष के बाजार में निष्पादन का विश्लेषण, मध्यम से दीर्घकालिक आधार पर किए जाने की आवश्यकता होती है।

*****